[श्रीमती उषा वर्मा]

हो सकता है। क्योंकि कच्चा माल उपलब्ध होते हुये भी लोग धन के अभाव में अपने छोटे-मोटे धंधे स्थापित करने में असमर्थ हैं। इस लिये मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि यहां की जनता की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए बैंकों से उनको ग्रामीण एकीकरण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत और अधिक मात्रा में लोगों को छोटे-मोटे धंधों के लिए विशेष धन की व्यवस्था कराये।

इस प्रदेश में गन्ने की मुख्य खेती होती है और सरकार सहकारी व सार्वजनिक क्षेत्रों में चीनी-मिलों को लगा सकती है। इस ओर विशेष धन वित्त निगमों से प्राप्त हो सकता है। सरकार को इन निगमों से विशेष आग्रह करना चाहिये कि वे इन क्षेत्रों में धन-साधन उपलब्ध कराने से न कतरायें। ऐसा इस प्रदेश की जनता के विकास के लिये नितान्त आवश्यक है।

(iii) SUPPLY OF CEMENT AND COAL FOR RAJASTHAN CANAL PROJECT

श्री वृद्धिचन्द्र जैन (बाड़मेर) : केन्द्र सरकार द्वारा राजस्थान नहर परियोजना के लिये कोयला और सीमेंट की लगातार चार वर्षों से पर्याप्त व्यवस्था नहीं करने के कारण प्रति वर्ष स्वीकृत राशि व्यय नहीं की जा रही है। जिस के कारण राजस्थान नहर परियोजना के निर्माण कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ता है और नहर के निर्माण में विलम्ब होता जा रहा है। जिस से नहर के निर्माण में भी बढ़ती हुई मंहगाई के कारण अधिक व्यय होता है और रेगिस्तान का क्षेत्र सिंचित होने से वंचित रहता है। सन 1981–82 में परियोजना के तहत 52 किलोमीटर लाइनिंग कार्य का प्रस्ताव था, किन्तु कोयले और सीमेंट की कमी के चलते जनवरी, 1982 तक मात्र 9.68 कि० मी० में ही लाइनिंग कार्य हो पाया है। ऐसी स्थिति में प्रस्तावित लक्ष्य को संशोधित कर इस वर्ष 30 किलोमीटर में ही लाइनिंग का कार्य कराने का निश्चय किया गया है। जो लक्ष्य भी सीमेंट व कोयले की कमी के कारण प्राप्त नहीं हो सकेंगे।

परियोजना को वर्ष सन् 1981–82 में 79 हजार मीट्रिक टन कोयले की आवश्यकता थी जब कि जनवरी 1982 तक मात्र 38 हजार 452 मीट्रिक टन कोयला ही सुलभ हो सका। इसी प्रकार वर्ष सन् 1981–82 में सीमेंट की कुल 80 हज़ार मीट्रिक टन की आवश्यकता के मुकाबले मार्च, 1982 तक 31 हज़ार 445 मीट्रिक टन सीमेंट मिल पाई। कोयले व सीमेंट की कमी के कारण नहर की प्रगति धीमी होने के बारे में केन्द्र सरकार का कई बार ध्यान आकर्षित किया गया है परन्तु केन्द्र सरकार कोई विशेष ध्यान नहीं दे रही है।

अतः केन्द्र सरकार का इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया जा कर मांग है कि प्रति वर्ष पर्याप्त आवश्यक मात्रा में कोयला व सीमेंट की व्यवस्था की जावे ताकि लक्ष्यों की समय पर प्राप्ति हो सके और राजस्थान नहर परियोजना का कार्य छटी पंचवर्षीय योजना काल में सम्पूर्ण किया जा सके।

(iv) DEMANDS FOR IMPROVEMENT OF RAILWAY FACILITIES ON PANSKURA—HALDIA SECTION OF SOUTH EASTERN RAILWAYS.

SHRI SATYAGOPAL MISRA (Tamluk): The people residing around the Panskura-Haldia section of the South Eastern Railways are suffering from the inadequate Railway facilities and demanding immediate improvement of the Railway system of the line.